इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळें.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक ८१८/३९ (६५८)

ग्रंथ नाम व्यंकटेश स्तोत्र.

विषय स्तो. भूपाळ्या.

" Joint project of the Rajawade Samshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

(१)

नमन माझे संत सज्जना ॥ आणि योगियासु
निजजना ॥ सकळ श्रोतियासि आता ॥ नम
१ न माझे सर्वांगि [illegible] समर्थ हे कामार्थ न
रान करा माता दोषा [illegible] डात कर ॥ नो श्रो २
तिया वैकुंठनाथ [illegible] मनोरथ पुर्ने
करिल ॥ ५ जयजयाजि व्यंकटरमना ॥
दयासागरा राम रिपु नागि परम डोळि भक्ती

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(1 A)

राग हं नां ॥ करि जो प्रार्थना अवनु किजे गर्ह ॥

ज्ञाननिधिपरि ठुंचापा किजे ॥ पितयापरि सोभा

पिर्ले ॥ स्तुकठसंक पासा नर क्षिपे ॥ पु

नीदृथल प्रेमसु हेउ ञेलिकज्ञरिमा

नावे भतारि ज्ञगहे लेउ घेवे ॥ ज्ञानक

ज्ञाननिधिरिस्वभावे ॥ सत्ह ज्ञेअले अंगा सि

द्धिनाथापा श्रीहासाहि ॥ भक्र द्धिले

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan Mumbai

(२) संकष्टी ॥ प्रेमरिध्धले अपुर्वे गोष्टी ग भज
नासा हिंद्या ठी ॥ ७ ॥ अतां पदरि साचिचि
रतां प्रकाश भस्म पांडव चाल धुरि मिर मना
२ मंजं घ्याहु मिया [illegible] वंधना ॥ अतो
लिकर चंन्ना र [illegible] विक्लि ग ॥ ७ ॥ नुंडे
नेत्रानन नाजा लो कष्टी ॥ आता हु हधा २
तलिपाई मिविकि ग तत्पा धुंवा जगेल

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

(2A) ठि ॥ अपराध पोटी घालि माझा ८१ माझि
या अपराधाच्या रासि ॥ भेदुनी गेल्या
गगनासि ॥ दयावे नारसिंके घी ॥ पा
नामा श्रीदासि सीत्यजिजे ॥ १८ ॥ पुत्राचे स
हस्त्र अपराध ॥ माता क्षमा करी तयाचा खे
द ॥ तेवि विठ्ठला तुं वो ॥ मायबाप मा
म जलागि ॥ १९ ॥ उदरामाजि काळे गोरे ॥
काय निवडावे निवडनारे ॥ कुचकीयाचे

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

वृक्षफळे ॥ मधुरकोठो निअसति ॥ १४ ॥ असा
टिलागिम्हदुला ॥ कोठु निअसेलफपावेता ॥
पाहा ना सिगुल्मता वें श्वापरिफुटतिळे ॥ १८
अपादमस्तकाव [illegible] रिअन्याई ॥ परितुसपद
रिपडिलोपाहि ॥ अलारक्षिना नाउपाई ॥ र
क्षावेहेउच्चीन ॥ १६ ॥ समर्थीचे वस्त्रे भ्वा
न ॥ तयासि देति सर्वहि मान ॥ तुसेहतेना
भिदीसे दिन [illegible] पमान करवे ना [illegible] चा १७

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(3A)

लेद्दुमितुम्हपायालगि ॥ आम्हा भीक्षासि पा
तुनिक्षालि ॥ येनेतुम्हीयाभ्रीदावलि ॥ कैसि
राहेलगोविंदा ॥१८ कुबेर तुम्हा भांडारि ॥
आम्हा फिरविसि द्वारोद्वारि ॥ यात पुरुषा
र्थ मुरारि ॥ काय पुरुषार्थ ~~काय केले~~ ॥१९
द्रौपदीसि वस्त्रे अनंता ॥ देत होता सिभा
ग्य वंता ॥ आम्हा लागी वदन ता ॥ कोठोन आ
नि लिगोंविंदा ॥२०॥ मायेचीके [illegible] निद्रो
ल

"Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

(५)

पादिसतिग। ब्रह्मा न्हपुर षिले मध्यरात्रि ग। ब्रह्मदेव रा
च्या बैसोन तप करिता ग। ल केल्या क्षन माजे ग। २९
आल्या साहित्य दाहि दिशा ग। आल्हा किर विरी
डोंगर दिल्या ग। ह्या पांडुबा पर ब्रह्मपुर घा ग। क्रू ४
नाके सितु जनरे ग। २२ ॥ अंगिकारी या सिरो
८ निग तु ज माथी तो मधुर पच्छे निग। अंगिका
र केलिया जनी ग। मज लागि च्येन सोडा वे ग।
ग। ३३ ॥ समुद्र अंगिकारि लावडवान ला।

the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

(५A)

तेनें अंतरिं हानसे तंवी ॥ २५ ॥ ऐसें असोनिया

सर्वकाळ ॥ अंतें रिसाटवी त्या न याते ॥ २४ ॥

कुंभें घेवल्या मिथि व्याभार ॥ तेनें सांडीला

नाहीं वडिवार ॥ पक्ष [illegible] गोधार ॥ त्याचा

अंगीकार पैके न्या ॥ [illegible] धरिले हळूहळू ॥

निळवर्न जा ॥ [illegible] ॥ बागी केनाही गोपा

ळी भक्त वत्सला ॥ गावींचा ॥ २६ ॥ म्हणौनिया

अपराध्याच्या न्यपु ॥ पारिखा स्वीन लि

Joint project of Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

वैखरि ॥ हुरपतितदुराच्यारि ॥ अधमा
हुनि अधमे ॥ २० ॥ विश्वयाशीं कमें दमति ॥
अविस स्वैपरतुम किंन मानसि ॥ सदा सर्वदा स
ज्जनासि ॥ ह्रो लोकरि सर्वदा ॥ २८ ॥ वच्येनो
किनाडी मधुर ॥ जनासि निष्ठुर ॥
सकळपामरामाजी पामर ॥ व्यर्थ बिडिवा
5 रजगीमाजे ॥ २९ ॥ काम क्रोध मद म 5
छर ॥ हे पारिरस्याचे किहाउ ॥

A joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

(5A)

कामकल्पने सीथार॥ दृढ ये थके ते आसे
॥३०॥ माठरा भार वनस्पतिची लक्षनि॥
समुद्र भरला हैं सिकेरे निं॥ आर्जुन ति ही
नामास्तुधरीपि॥ तरि विकेहिन न जानि॥
॥३१॥ ऐसा पतित मी खरा॥ पतितपावन सां
रंगधरा॥ त्वा अंगीकार केलिया॥ दाध
रा॥ कोनकुन दोष॥ निलग॥३२॥ नि

" Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

(6)

चरतलिरायासि ॥ तिसि कोनहलेलदासि ॥
लोहेलागलियापरिसासी ॥ पुर्वी[illegible] मगकैचि
॥७॥ ॥गाचिचासुल[illegible]ह ७॥ गे गेसिमि ७
तांगगोंडाउ ॥ कागवि[illegible]चैपीपळ ॥ तयासि
निंघकोनहलेने ॥ ७ ॥ तेसाकुआतिमिअ
मगंऊ ॥ परितुस्ता[illegible]नचितोकेचळ ॥ कं
न्यादेऊनियाकुळे ॥ मगकायविच्या

स्थि
ति

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(6A)

राव ॥ ३५ ॥ जानत असता अपराध नर ॥
त रिला केला अंगीकार ॥ अंगीकारावरि अ
वर ॥ समर्थे केला न याहि जे ॥ ३६ ॥ धांवे पा
वेर गोविंदा ॥ हा तिवे उगीयाग ॥ द्या ॥ करि
माझ्या कर्माचीच ॥ सच्चीनानंद श्री
हरि ॥ ३७ ॥ तुसियां नमाखि जपरमित
रात्रि ॥ तथे माझ्यापापा कितिं ॥ रूपा

...Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. Joint Project of...

(२)

कुवारकृष्णुमिदति ॥ खिवरखेचीतिवि
च्यारि ॥ ७८ ॥ तुमतेनामपदनितुपायनू
तुमतेनामकलिमलदहेनू ॥ तुमतेनामभ
६ वतारन ॥ संकट नारायेन नामतुमते ॥ ७९ ६
आनाभार्थनायक नमोदानि ॥ तुमते
नामीराहे गोसावीमुनि ॥ हेचिमागतापु
ढींपुढनि ॥ परंम ज्योति व्यंकटेशा ॥ ८०

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(७A)

तुअनंत तुझे नामे अनंत ।। नया[illegible]मा
जी नामे सुगमे ।। तेथि अल्प मति सेमे
मा ।। स्मरणि मार्थ नाम करितसे ।। ४८ ।।
व्यंकटेशा वासुदेवा ।। मधुसूदना अनंत के
शवा ।। शंकरा नामाधरा माधवा ।। ना
रायना अद्रीसुति ।। ४९ ।। पद्म[illegible] मनो
भाद्रा मादरा ।। मकाक्षा ।। हु[illegible] मुरा

(४)

सुरा ॥ आदि अनादि विश्वंभरा ॥ ३॥
गंगाधारा ध्यान क्रिडा ॥ ४ ॥ (स्तुत्मा
विष्णु मूर्ती केशवा ॥ अनिरुद्धा पुर
षोत्तम परेशा ॥ नारसिंहा भार्गवे
शा ॥ बौध्य कल्कि या ॥ निज मुनि ॥ ५
अनाथ रक्षका आदि पुरुषा ॥ पुर्ण ब्र
ह्मसनातन अनिर्दोषा ॥ सकल मंग

"Joint property of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

(8A)

अभंग काफी राग ॥ सज्जन जिवना स्तु
स्वस्तुति ॥ ७ ॥ गुरु नातितापु नः स्नाना
निज बोध स्वरूपा ॥ निरु ॥ ध्रु ॥ शुध्ध सा
क्षीकारु स्वा ॥ गुरु न [illegible] मा परमेश्वरा ॥ ७ ॥
श्री नीधि श्री निध्यु [illegible] न धरा ॥ भय
छेन भयनाशन गीरिधरा ॥ दुष्टदैत्य सं
व्हारसी ॥ विरास्कर विरा लुये क्र ॥ ७ ॥

A joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

(१)

निरवक निरंतर निर्वीकारा॥ विवेरवा
निवैरा॥ गरा॥ मधुमुखदे ल सौ दृढाकारा
अक्षुरदृम गा॥ उ॥ मुनि॥ ७८॥ चौरिषि
चक्र गदाधरा॥ रुद्रकाल हरनागापि
१ त्रिपकरा॥ पन रंजना सुख
कारा॥ उदे खडित स्वभावे॥ ७९॥ १
नानानाट्य क सुपात्रे धारिय॥ ज

"Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

(१A) ॥ व्यापका जगद्रचयी ॥ कृपासमुद्रा क
रुणालय ॥ मुनिजनध्याया नचलो
किर्ति ॥ ४ ॥ घेरा शय्या सर्व भोगा ॥
वैकुंठवासि या निरोपमा ॥ भक्तके
वारिया गुनधामा ॥ पाव अम्हा येस
मई ॥ ५ ॥ ऐसि प्रार्थना केरी निर्देव
दासा ॥ अंतरि अठ चित्री व्यंकटेराम

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(१०)

स्मरला हदई भगटल ऋषीकेषु ग्यास्तु
खास्तिपोरना हिग ५ ४ ५ हद ई अयु
र्भवत्लिसुत्ति ॥ त्या [illegible] स्वरुपा चित्र
त्लोक्लिक रची ॥ [illegible] पल्या अपनश्री :
४ पतिग ॥ याचे हृ [illegible] चोन वितसे ॥ ५
लेलिकना अत्यं त सुंदर ॥ ओलिय ४
वनकिजे सादर ॥ सोनविलनु .

"Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com